भूमिका

प्रस्तुत शोध अध्ययन समाज में रहने वाले अंतिम वर्ग (समाज के अंतिम वर्ग से तात्पर्य मलिन बस्ती या झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों से है) की किशोरियों पर आधारित हैं। प्रायः यह देखा जाता है कि मलिन बस्ती के लोगों को समाज के अन्य वर्ग द्वारा नजरंदाज किया जाता है, जबकि उनकी भी अपनी एक अलग पहचान होती है। मलिन बस्तियाँ प्रत्येक महानगरों में पाई जाती हैं, फिर भी वहाँ निवास करने वाले लोग समाज के मुख्य धारा से अलग रहते हैं। ऐसे में मलिन बस्ती में रहने वाली किशोरियों की स्थिति और भी विचारणीय होती है। वे समाज में अपनी पहचान बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है। जिनमें उन्हें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। मलिन बस्तियों पर जो भी शोध कार्य हुए है, उनमें अभी तक अस्मिता को लेकर कोई भी अध्ययन नहीं किया गया है। इस अध्ययन द्वारा यह जानने का प्रयास किया गया है कि मलिन बस्ती के किशोरियों की वर्तमान समय में क्या पहचान है। जिससे समाज का ध्यान उनकी ओर लाया जा सके तथा उन्हे भी समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। अतः इस शोध कार्य के द्वारा मलिन बस्ती के किशोरियों की अस्मिता और उनके विभिन्न पहलुओं को जाना गया है।